खबर संक्षेप

अधीक्षण अभियंता नें स्लीमनाबाद विद्युत उप संभाग कार्यालय का किया निरीक्षण

स्लीमनाबाद। ऊर्जा विभाग के अधीक्षण अभियंता डी एन चोकीकर स्लीमनाबाद वितरण केंद्र कार्यालय का निरीक्षण किया गया! निरीक्षण के दौरान उन्होने एक लाख से ऊपर विद्युत बिल बकायादारों के सूची का निरीक्षण किया साथ ही उपभोक्ताओं पर नियम अनुसार डीआरए की कार्यवाही करने के निर्देश दिये एवं उनका रिकॉर्ड संधारित करना सुनिश्चित करे साथ ही रजिस्टर का अवलोकन किया!अधीक्षण अभियंता नें प्रभारी कनिष्ट अभियंता /सहायक अभियंता दिलदार डाबर को बड़े बकाएदारों उपभोक्ताओं के खाता नंबर सीज हेतु निर्देश किया! साथ ही जिन उपभोक्ताओं के खाता नंबर सीज किए गए उनका रजिस्टर में दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया एवं रजिस्टर का अवलोकन किया! तीन माह से अधिक बकायादार उपभोक्ताओं पर नियम अनुसार कार्यवाही करते हुए वसूली सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया! बिगड़े बिलों को चिन्हित कर सुधार करना , कार्यालयीन रिकॉर्ड को व्यवस्थित तरीके से संधारित करना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। केस डिमांड 100 प्रतिशत लाना सुनिश्चित करें। प्रतिदिन एरिया स्टोर में फैल ट्रांसफॉर्मर वापस लौटाना सुनिश्चित करें कोई भी डीटीआर स्टोर में एकत्र करके ना रखें।

उमरियापान में आज होगा सामूहिक वंदे मातरम गायन

उमरियापान। राष्ट्रगीत वन्देमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में 25 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे सामूहिक वंदे मातरम्‌ गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन उमरियापान स्थित संदीपनी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम्‌ का गायन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय चेतना और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

अब तक 834.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 24 सितंबर तक कुल 834.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 1069.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1429.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 1096.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है।अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि जिले में इस अवधि में कटनी तहसील में 776 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

गणपति के सजे दरबार, हो रही जयजयकार,
आज निकलेगा चल समारोह

स्लीमनाबाद

प्रथम पूज्य देव,विघ्न विनाशक गणपति,गजानन का दस दिवसीय गणेशोत्सव का पावन पर्व चल रहा है।घरो सहित विशाल पंडालो मैं गणपति विराजमान है। जहां पूजा अर्चना का दौर सुबह व शाम चलता है। विशेषकर शाम के समय प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। शाम के समय गणेश झांकियों के दर्शन कर भक्तिमय भाव की ओर भक्त दिख रहे है।

देर शाम तक गणेश पंडालो मैं भजन संकीर्तन व रामायण मंडलों के द्वारा रामचरित मानस पाठ किया जा रहा है। वही महिलाओं के द्वारा भी देर शाम तक घरों व पंडालो मैं भी भजन संकीर्तन किये जा रहे है। साथ ही सुंदरकांड पाठ भी आयोजित किया जा रहा है।

आज निकलेगा चल समारोह-

25 सितंबर यानि आज शुक्रवार को विशाल चल समारोह अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर स्लीमनाबाद तहसील मुख्यालय मैं निकाला जाएगा। जहां चल समारोह नगर भ्रमण करते हुए कटनी नदी पहुचेंगा जहां गणेश प्रतिमाओं को विसर्जित किया जाएगा। गणेश प्रतिमा विसर्जित के लिए घाटों मैं साफ-सफाई की जा रही है। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर कन्यापूजन कर कन्याभोज होगा।साथ ही विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा।

150 नाइट्रावेट टैबलेट्स के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

कटनी। नगर में अवैध नशीली दवाओं के कारोबार पर नकेल कसने के अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मोहन घाट ब्रिज के नीचे घेराबंदी कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली गोलियां (नाइट्रावेट) बरामद की गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि मोहन घाट ब्रिज के नीचे अवैध रूप से नशीली गोलियों की खरीद-बिक्री की योजना बनाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की और संदिग्ध अवस्था में घूम रहे दो युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान मो. इरफान (23 वर्ष, निवासी खिरहनी फाटक, कटनी) और उसके साथी मयंक रैकवार के रूप में हुई। पुलिस द्वारा ली गई तलाशी में आरोपियों के पास से नाइट्रावेट (NITRAZEPAM

TABLETS) की 15 पत्तियां (कुल 150 गोलियां) बरामद हुईं। जब्त की गई प्रतिबंधित दवाओं की कुल बाज़ारू कीमत लगभग 4,500 आंकी गई है। घटना के संबंध में पुलिस ने कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 1088/26 दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21, 22 तथा औषधि नियंत्रण अधिनियम की धारा 5/13 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है।

कटनी मार्बल की होगी ब्रांडिंग, जीआई टैगिंग के लिए होंगे प्रयास

कटनी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत ग्राम पंचायत गुदरी में आयोजित उद्यमी संवाद में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने कटनी के मार्बल को विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने कटनी मार्बल की प्रभावी ब्रांडिंग करते हुए इसे देश-दुनिया में पहचान दिलाने के लिए गंभीरता से प्रयास करने तथा जीआई टैगिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के मार्बल की विशेषताओं को व्यापक पहचान दिलाने के लिए उद्यमियों और प्रशासन को समन्वित प्रयास करने होंगे इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा, वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार, जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर, एसडीएम बहोरीबंद श्री श्लोक वायकर सहित उद्योग विभाग के अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

मार्बल एसोसिएशन का गठन कर जीआई टैग के लिए करें आवेदन- कलेक्टर श्री तिवारी ने महाप्रबंधक उद्योग श्रीमती ज्योति सिंह को निर्देशित किया कि जिले के मार्बल उद्यमियों को एकजुट कर सर्वप्रथम मार्बल एसोसिएशन का गठन एवं पंजीयन कराया जाए। इसके उपरांत एसोसिएशन के माध्यम से जीआई टैगिंग प्राप्त करने के लिए आवेदन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में जिला प्रशासन द्वारा उद्यमियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

उद्यमियों ने रखीं समस्याएं, कलेक्टर ने दिए कार्यवाही के निर्देश- उद्यमी संवाद के दौरान उद्योगपतियों और औद्योगिक इकाइयों के संचालकों ने मार्बल उद्योग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों से कलेक्टर को अवगत कराया। उद्यमियों ने माइनिंग के डेडरेंट की दर कम करने, मार्बल माइंस के वेस्ट मटेरियल के लिए ईटीपी उपलब्ध कराने, जिले में बनने वाले नए भवनों में कटनी मार्बल के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा कटनी स्टोन की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उद्यमियों ने पावर फीडर के कारण निर्बाध विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्या तथा ई-खनिज पोर्टल के अपडेशन का विषय भी रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में महाकौशल रिफैक्ट्रीज के संचालक श्री अरविंद गुगालिया, पाल मार्बल से श्री मुकेश पाल, श्री राम मार्बल से श्री तिवारी, समदरिया मार्बल से श्री वेद दुबे, ओजस्वी मार्बल से श्री विपिन तिवारी, शारदा मार्बल से श्री रजनीश तथा डाल्फिन मार्बल से श्री राकेश सिंह सहित अन्य उद्यमी उपस्थित रहे।

सत्य को भीड़ की जरूरत नहीं रहती सत्य अकेला ही रहता है
जैन धर्मावलंबियों का दस दिवसीय पर्युषण पर्व चल रहा है

जिसमें प्रतिदिन शांतिधारा, पूजन - अभिषेक सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे है

स्लीमनाबाद। तेवरी स्थित जैन मंदिर पयुर्षण पर्व के नौवे दिन पूरा रोशनी से जगमग हो उठे । इससे पहले सुबह उत्तम ब्रह्मचार्य धर्म पर अभिषेक-पूजन और शांतिधारा हुई। स्लीमनाबाद स्थित दिगंबर जैन मंदिर मै पंडित ऋषभ शास्त्री ने धर्मसभा में उदगार व्यक्त किये!

कहा कि सत्य को भीड़ की जरूरत नहीं रहती सत्य अकेला ही रहता है। दूसरे को कठपुतली मत बनना। दूसरे को अंतर में मत रखना, बस इतना सा नियम और ले ले तो सत्य के बाद संयम पर कलशारोहण हो जाएगा। वही सत्य-सत्यधर्म बन जाएगा। लोग कहते हैं कि ऐसा नियम बताओ कि मुझे किसी की नौकरी न करना पड़े, हो जाएगा तुम्हें एक नियम लेना पड़ेगा। बड़े आदमी क्यों दुर्गति जाते हैं, क्योंकि वह सारी दुनिया को अपना दास बनाना चाहते हैं। जब तुम्हें गुलामियत पसंद नहीं है तो दूसरे को क्यों,कोई महिला नहीं चाहती कि वह दूसरे के जूठे बर्तन मांझे, यह वरदान तुम्हें मिल जाएगा। कभी कोई तुम्हारे झूठे बर्तन मांजे तो एक ही भाव करना, जब मैं किसी के जूठे बर्तन नहीं मांजना चाहती तो ये भी तो जीव है। किसी की मां और किसी की पत्नी है। हे भगवान दो दशा में से एक वरदान पूरा कर दे- मुझे ऐसी दशा में पहुंचा दे कि मुझे बर्तन जूठा करना ही न पड़े। यानी भूख से ऊपर उठा दे या फिर इसको इतना समर्थ बना दे कि दूसरे के जूठन बनकर रोटी ही ना कामना पड़े।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए!

इस दौरान समाज अध्यक्ष श्रेयांश जैन,सतीशचंद्र जैन,प्रदीप जैन, नंदू जैन,सुधीर जैन,संदीप जैन,आनंद जैन, बबला जैन, महेश जैन, मयूर जैन, आकेश जैन, विक्की जैन, पप्पू जैन सहित महिला मंडल युवा मंडल सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही!

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धूरी मे आयोजित हुआ कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम

स्लीमनाबाद। विद्यालयों मे अध्ययनरत विद्यार्थियों को भविष्य मे उनके कैरियर से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान करने सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धूरी मै कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया ! जिसमें अभियान प्रभारी सुमेर सिंह लोधी

के द्वारा विद्यार्थियों से सहज संवाद किया गया!इस दौरान कैरियर से जुड़ी जानकारी विद्यार्थियों को दी गई! साथ ही विद्यार्थियों की आवश्यकता व क्षमता अनुरूप कैरियर निर्धारण करने उन्हें प्रेरित किया गया! कैरियर मार्गदर्शन की आवश्यकता, उद्देश्य, संबंधित क्षेत्र व अवसर तथा विषय पर आधारित कार्य क्षेत्र, दसवीं के बाद विषय का चुनाव तथा 12वीं व स्नातक के पश्चात कैरियर के अवसर पर मार्गदर्शन भी दिया गया। वहीं कैरियर संबंधित विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया! साथ ही कहा कि विषय का चयन रूची

अनुसार करें और आगे बढ़े! विषय को ध्यान में रखकर आगे बढ़े! कॅरियर का सही चुनाव होने पर जीवन मे खुशियां ही खुशियां आ जाती हैं जिंदगीभर प्रसन्नता रहती है! वहीं प्राचार्या गरिमा चंद्रवंशी के द्वारा छात्र-छात्राओ को प्रतियोगी परीक्षा मैं सफलता हासिल करे इसका मूल मंत्र दिया गया! कैसे आईएएस,आईपीएस व आईएफएस बन सकते है,इस पर विस्तृत जानकारियां दी गई! अन्य प्रतियोगी परीक्षा जैसे रेलवे, एसएससी,बैंक कर्मी ,सहायक ग्रेड 2 व 3 सहित अन्य पदों पर नॉकरी पाने कैसे प्रतियोगी परीक्षाओ मैं सफलता हासिल की जा सकती है इसकी जानकारियां दी गई! साथ ही कहा गया कि प्रयास करने वालो की कभी हार नही होती है!जिनके मन की इच्छा कुछ बनने की होती है तो वो उसका लक्ष्य निर्धारण कर अपनी तैयारियां करते है! साथ ही कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को कैरियर काउंसलिंग के तहत कैरियर योजना, कौशल आधारित रोजगार के महत्व, उच्च शिक्षा के विकल्प, विदेश में पढाई के लिए आवश्यक प्रक्रिया, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी , छात्र उद्यमिता के बारे में संवाद, उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता के विकल्प, स्थानीय रोजगार के अवसर, प्रेजेंटेशन एवं ब्रोशर के माध्यम से संवेदात्मक और रोचक तथा विद्यार्थियों के विचार को महत्व देते हुए उनके कैरियर से संबंधित प्रश्नों के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया! वही डॉ. अतुल सिंह ने छात्र -छात्रों को कृषि के क्षेत्र में सरकारी नौकरी और स्वरोजगार से जुड़ी जानकारी दी! इस दौरान शिक्षक मनोज चक्रबर्ती, दीपक हनुमत, अजय चौबे,राकेश राजपाल, अनामिका पांडे और अन्य अतिथि शिक्षकों नें भी छात्र- छात्रों को कैरियर काउंसलिंग की जानकारी दी!

रिमझिम फुहारों के बीच कलेक्टर एवं एसपी ने किया गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी एवं पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने गुरूवार को रिमझिम बारिश के बीच गणेश प्रतिमाओ के विसर्जन हेतु पीरबाबा में बनाये जा रहे कृत्रिम विसर्जन कुंड का निरीक्षण किया। उन्होंने विसर्जन की सभी व्यवस्थाओं को और अधिक चाक-चौबंद बनाने व विसर्जन मार्ग की साफ़-सफ़ाई के पुख़्ता इंतज़ाम करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम कटनी जितेन्द्र पटेल और तहसीलदार ग्रामीण अतुलेश सिंह सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी रही।

यहां बनाये जा रहे विसर्जन कुंड- जिले में गाटरघाट, माई नदी, मोहन घाट, मसुरहा घाट, चाका तालाब, पुरैनी कुण्ड, पीरबाबा, गुलवारा घाट, रपटा घाट, सुरखी टैंक, बाबा घाट, छपरवाह घाट पर प्रतिमा विसर्जन की व्यवस्था की गई है।

विसर्जन स्थलों पर रोशनी और बैरिकेडिंग के निर्देश- कलेक्टर श्री तिवारी ने विसर्जन कुंड एवं घाटों के आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से पीडब्ल्यूडी विभाग को आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रमुख विसर्जन स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, पीए सिस्टम, कंट्रोल रूम तथा अस्थायी पुलिस सहायता केंद्र की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में विसर्जन स्थलों पर रोशनी के लिए संबंधित तहसीलदारों को ग्राम पंचायतों एवं नगर परिषदों से समन्वय करने के निर्देश दिए।

तैराक, होमगार्ड और लाइफ जैकेट रहेंगे

तैनात- कलेक्टर ने विसर्जन के दौरान सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित तैराक एवं होमगार्ड बल की तैनाती करने के निर्देश दिए गए। आवश्यकतानुसार लाइफ जैकेट सहित अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध रखने को कहा गया। संवेदनशील एवं अधिक भीड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

विसर्जन मार्गों पर सुचारू रहेगी यातायात व्यवस्था- कलेक्टर एवं एसपी ने विसर्जन स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों पर यातायात प्रबंधन के आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। संकरे एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग, पार्किंग तथा वाहनों के आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। नदी एवं तालाब के तटों पर सुरक्षित दूरी पर बैरिकेडिंग कर आवागमन नियंत्रित करने के निर्देश भी दिए गए।

विसर्जन समाप्ति तक मुस्तैद रहेगा प्रशासन- कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रतिमा विसर्जन शुरू होने से लेकर प्रक्रिया की समाप्ति तक संबंधित विभागों का स्थानीय अमला विसर्जन स्थलों पर मुस्तैदी से मौजूद रहे। प्रतिमाओं का समयबद्ध एवं सुरक्षित विसर्जन सुनिश्चित करने के साथ ही विसर्जन स्थलों के आसपास भीड़ एवं वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने की व्यवस्था की जाए।

कलेक्टर ग्रामीणों से किया संवाद समस्या के त्वरित निराकरण के निर्देश

कटनी। किसी के हाथ में आवेदन था, तो किसी की आंखों में अपनी समस्या के समाधान की उम्मीद। कोई इस भरोसे के साथ शिविर में पहुंचा था कि उसकी बात सुनी जाएगी, तो कोई लंबे समय से लंबित समस्या के समाधान की आस लेकर आया था। स्लीमनाबाद में आयोजित मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के जनसंवाद शिविर में गुरुवार को ऐसा ही आत्मीय और भरोसे से भरा माहौल नजर आया।

कलेक्टर आशीष तिवारी ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याएं गंभीरता एवं धैर्यपूर्वक सुनीं। शिविर में 63 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए।

हर आवेदक की बात सुनी, समाधान की राह बताई- जनसंवाद शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं लेकर ग्रामीण पहुंचे। कलेक्टर श्री तिवारी ने आवेदकों की बात पूरे धैर्य से सुना और संबंधित अधिकारियों से प्रकरण की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का निर्धारित समय-सीमा में संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीणों की समस्याओं को केवल आवेदन तक सीमित न रखते हुए उनके समाधान की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने पर उन्होंने विशेष जोर दिया।

शिविर से निकलते समय भी ग्रामीणों से पूछा—कोई समस्या तो नहीं? कलेक्टर श्री तिवारी का ग्रामीणों के प्रति संवाद, शिविर समाप्त होने के साथ खत्म नहीं हुआ। शिविर से निकलते समय भी उन्होंने ग्रामीणों के बीच रुककर उनकी समस्याएं पूछीं और अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। यह आत्मीय संवाद ग्रामीणों के बीच प्रशासन के प्रति विश्वास और अपनी बात सीधे रखने का भरोसा मजबूत करता नजर आया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर एवं एसडीएम बहोरीबंद श्लोक वायकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में बाल चौपाल पोषण माह मनाया

सिलौंडी। सिलौंडी आंगन वाडी केंद्र में पोषण माह और बाल चौपाल का आयोजन किया गया ।जिसमें महिलाओं को पोषण आहार की आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया ।बाल चौपाल में छोटे बच्चे के पोषण आहार की आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया ।इस दौरान आंगन वाडी कार्यकर्ता मीना महोबिया , विनीता राय ,आशा साहू, सावत्री नामदेव ,रीना राय सहायिका रिचा साहू , आयशा राय की मौजूदगी रही । राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्थापना दिवस मनाया गयासिलौंडी। राष्ट्रीय सेवा योजना 58वें स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय सिलौंड़ी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जैसे एक पेड़ माँ के नाम, पोस्टर, रंगोली का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य श्री रतीराम अहिरवार जी एवं मुख्य अतिथि सरपंच महोदया

श्रीमती रगों बाई एवं चौकी प्रभारी श्री अनिल पाण्डेय, श्री धर्मवीर सिंह (आरक्षक) द्वारा दीप प्रज्वलन माँ सरस्वती जी की प्रतिमा में पुष्प माल्यार्पण कर किया गया।कार्यक्रम का संचालन श्री पंकज मिश्रा जी द्वारा किया गया। एन.एस.एस अधिकारी डॉ. लक्ष्मी प्रसाद बागरी जी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया और एन.एस.एस के गौरवशाली इतिहास तथा इनके मूल मंत्र "नॉट मी, बट यू" (स्वयं से पहले आप) के महत्व पर प्रकाश डाला।58वां स्थापना दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम पर वृक्षारोपण अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए महाविद्यालय परिसर में, प्राचार्य श्री रतीराम अहिरवार की अध्यक्षता में समस्त स्टॉफ और छात्र-छात्राओं द्वारा औषधीय एवं फलदार पौधे जिसमें आम, नीम, जामुन, अमरूद आदि पौधे लगाए गए।कार्यक्रम के अंत में डॉ. संदीप कपूर जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अनिल कुमार द्विवेदी, डॉ. हेमन्त कुमार चौरसिया, डॉ. अंकुर ओमेर, डॉ. अजय कच्छवाहा, डॉ. ममता पटले, डॉ. वंदना सिंह, श्री रमन श्रीवास्तव, श्री रोहणी प्रसाद राय, श्री कंचन कुमार एवं समस्त छात्र/छात्राओं का सहयोग रहा।देवरी मंगेला आंगनवाड़ी केंद्र में महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूकउमरियापान। 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर आंगनवाड़ी केंद्र देवरी मंगेला में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को संतुलित आहार, पोषण, स्वास्थ्य एवं वजन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई।इस दौरान महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पोषणयुक्त आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुशीला गर्ग, आशा द्विवेदी, दीपा पटेल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

खबर संक्षेप

डीएमएफ मद से बेसलाइन सर्वेक्षण कार्य को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश

जिला खनिज प्रतिष्ठान मद (डीएमएफ) के अंतर्गत प्रस्तावित विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की प्रभावी योजना तैयार करने तथा उनके बेहतर क्रियान्वयन के उद्देश्य से बेसलाइन सर्वेक्षण कार्य कराया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जिले की समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया कि बेसलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान सामाजिक, आर्थिक एवं आधारभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का तथ्यात्मक आकलन किया जाए, ताकि स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास कार्यों की प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जा सके।उन्होंने सर्वेक्षण कार्य में निर्धारित प्रपत्रों एवं मापदंडों का पालन सुनिश्चित करने, उपलब्ध जानकारी का सटीक एवं प्रमाणिक संकलन करने तथा सर्वेक्षण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले द्वारा सर्वेक्षण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्राप्त आंकड़ों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।सुश्री कौर ने कहा कि बेसलाइन सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं को चिन्हित करने में महत्वपूर्ण आधार साबित होंगे। इनके आधार पर डीएमएफ मद से संचालित होने वाले विकास कार्यों को अधिक लक्षित, पारदर्शी और परिणाममूलक बनाया जा सकेगा।उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में बेसलाइन सर्वेक्षण कार्य की सतत निगरानी करते हुए आवश्यक समन्वय स्थापित करें और प्रगति की जानकारी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

गणेश प्रतिमा के सुरक्षित एवं व्यवस्थित विसर्जन की तैयारियों का महापौर ने लिया जायजा

कटनी। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणेश प्रतिमा विसर्जन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने निगम अधिकारियों एवं संबंधित अमले के साथ शहर के गाटर घाट,हनुमान घाट, माई नदी घाट सहित विभिन्न कृत्रिम विसर्जन कुंडों का निरीक्षण किया। महापौर ने प्रत्येक स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विसर्जन कुंडों पर व्यवस्थाओं की ली जानकारी

निरीक्षण के दौरान महापौर ने कृत्रिम विसर्जन कुंडों की स्थिति, प्रतिमाओं के सुरक्षित विसर्जन के लिए की गई व्यवस्थाओं, पहुंच मार्ग, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विसर्जन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से पूर्ण एवं व्यवस्थित रहनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्थलवार जिम्मेदारियां तय कर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए।

सफाई व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता

महापौर ने विसर्जन स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त सफाई अमला तैनात रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों की आवाजाही को देखते हुए सफाई व्यवस्था लगातार बनी रहनी चाहिए। कुंडों के आसपास कचरा एकत्रित न हो तथा विसर्जन के बाद भी तत्काल सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सफाई कर्मियों एवं संसाधनों की उपलब्धता रखने के लिए भी कहा गया।

निर्माल्य के लिए रहे पृथक व्यवस्था

महापौर ने पूजा सामग्री एवं निर्माल्य के व्यवस्थित संकलन पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन स्थलों पर निर्माल्य एवं अन्य पूजन सामग्री के लिए पृथक संकलन व्यवस्था रखी जाए। साथ ही नागरिकों से अपील की कि पूजा सामग्री एवं निर्माल्य को कुंड अथवा अन्य जलस्रोतों में न डालते हुए निगम द्वारा संचालित पूजा स्पेशल वाहन में ही दें, ताकि इसका उचित संकलन एवं प्रबंधन किया जा सके।

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा का रखें ध्यान

महापौर ने विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, बेरीकेडिंग,भीड़ प्रबंधन, सुगम आवागमन, पर्याप्त प्रकाश तथा आवश्यकतानुसार सुरक्षा एवं सहायता व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्थल पर तैनात कर्मचारी श्रद्धालुओं का सहयोग करें और किसी भी स्थिति में अव्यवस्था उत्पन्न न होने दें।

प्रकाश एवं पहुंच मार्गों की भी हुई समीक्षा

निरीक्षण के दौरान महापौर ने कृत्रिम विसर्जन कुंडों तक पहुंचने वाले मार्गों की स्थिति एवं प्रकाश व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मार्गों एवं आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए, ताकि देर शाम तक प्रतिमा विसर्जन के दौरान नागरिकों को परेशानी न हो।

पर्यावरण संरक्षण के साथ विसर्जन की अपील

महापौर श्रीमती सूरी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निगम द्वारा निर्धारित कृत्रिम एवं चलित विसर्जन कुंडों में ही करें। नदी, तालाब एवं अन्य प्राकृतिक जलस्त्रोतों में प्रतिमाओं का विसर्जन न करें। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा की गई वैकल्पिक व्यवस्था का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करना है। सभी नागरिक निगम की व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए निर्धारित स्थानों पर ही विसर्जन करें।

अधिकारियों को लगातार निगरानी के निर्देश

महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विसर्जन से पूर्व सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए प्रत्येक स्थल की व्यवस्थाओं का पुनः निरीक्षण किया जाए। विसर्जन के दिन भी अधिकारी एवं मैदानी अमला सक्रिय रहकर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करें। उन्होंने कहा कि निगम का उद्देश्य गणेश प्रतिमा विसर्जन को व्यवस्थित, सुरक्षित, स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना है, जिसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान पार्षद सीमा श्रीवास्तव, वंदना यादव सहित निगम के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

बकाया जमा नहीं करने वाले 34 उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन हुए विच्छेदित

कटनी।

जलकर राहत योजना के माध्यम से बकाया जलकर उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करने और निगम कोष में बकाया राशि जमा कराने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। निगमायुक्त के निर्देश पर राजस्व एवं जलकर शाखा के वसूली दल सक्रिय होकर उपभोक्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क कर रहे हैं। इस दौरान उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देते हुए मार्च 2026 तक की बकाया राशि का 50 प्रतिशत एकमुश्त जमा कर शेष 50 प्रतिशत की छूट प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

योजना का लाभ अधिकाधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए वसूली दलों द्वारा घर-घर संपर्क के साथ ही बकायेदारों को समय रहते बकाया राशि जमा करने की समझाइश दी जा रही है। निगम प्रशासन का प्रयास है कि उपभोक्ता निर्धारित समय-सीमा में योजना का लाभ लेकर अपने पुराने बकाये से राहत प्राप्त करें और निगम की राजस्व वसूली को भी गति मिले।

बकाया जमा नहीं करने पर 34 कनेक्शन विच्छेदित

योजना के तहत बार-बार सूचना एवं समझाइश देने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध निगम प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। गुरुवार को चलाए गए अभियान के तहत 34 उपभोक्ताओं के द्वारा बकाया राशि जमा नहीं करने पर नल कनेक्शन विच्छेदित करने की कार्यवाही कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही आगे भी अनवरत जारी रहेगी। निगम प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2026 से पहले योजना का लाभ लेकर बकाया जलकर जमा करें, ताकि उन्हें निर्धारित छूट का लाभ मिल सके और कनेक्शन विच्छेदन जैसी कार्रवाई से बचा जा सके।

डाइट में जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद आयोजित

टीएलएम की भूमिका पर हुई चर्चा

कटनी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) कटनी में कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशन में जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद आयोजित किया गया। इसमें बहोरीबंद, विजयराघवगढ़ और ढीमरखेड़ा के सहजकर्ताओं ने सहभागिता की। संवाद में सीखने की प्रक्रिया में टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) की भूमिका पर चर्चा की गई।

डाइट कटनी के डीएलएड पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए टीएलएम का सहजकर्ताओं के समक्ष प्रदर्शन किया गया। विभिन्न गणितीय एवं भाषाई अवधारणाओं को सरलता से समझाने के लिए तैयार सामग्री की प्रतिभागियों ने सराहना की। शैक्षिक संवाद प्रभारी राकेश सिननरकर तथा जिला स्तरीय सहजकर्ता श्रीमती पायल अग्रवाल एवं सुषमा अग्रवाल ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से सीखने में टीएलएम की प्रभावी भूमिका समझाई।

प्रशिक्षण प्रभारी राजेन्द्र असाटी ने माध्यमिक शालाओं की अकादमिक गुणवत्ता में सुधार के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। प्रथम चरण में सभी स्कूलों द्वारा स्व-आकलन कर कमियों को दूर किया जाएगा।

इसके बाद बाह्य मूल्यांकन के माध्यम से सुधार का आकलन किया जाएगा। अपेक्षित सुधार नहीं होने पर संबंधित शालाओं के शिक्षकों को डाइट कटनी द्वारा स्वयं के व्यय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हमारी आंगनबाडी हमारी जिम्मेदारी की थीम पर हुये विविध आयोजन

कटनी। आंगनवाडी केंद्रो के माध्यम से पोषण, देखभाल एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास की सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर कार्यरत हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अब्दुल गफ्फार ने बताया कि 9वें राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत सामुदिक सहभागिता एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल सेवाओं एवं गतिविधियों के द्वारा कुपोषण निवारण के विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

खेल आधारित गतिविधियों से होगा बच्चों का सर्वांगीण विकास 9वें राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत जिले के आंगनवाडी केंद्रो में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल आधारित गतिविधियों जैसे गीत गायन, कहानी सुनाना, चित्रकला, रोल प्ले, संगीत, कविता सुनाना का आयोजन किया गया। खेल आधारित गतिविधियों के आयोजन का उद्देश्य है, बच्चों के संज्ञानात्मक, भाषा, मोटर एवं सामाजिक-भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करना।

गृह भेंट कर बच्चों के विकास पर दिया परामर्श-

आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा भारत सरकार के पोषण ट्रेकर एप पर उपलब्ध संशोधित गृह भेंट मॉड्यूल के अनुसार 3 वर्ष तक के बच्चों के घर गृह भेंट कर उनके अभिभावको को बच्चों के विकास संबंधी परामर्श दिया गया एवं खेल गतिविधि आधारित संज्ञानात्मक एवं भाषा विकास की गतिविधियों की जानकारी दी गई।

विभागीय योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को लाभ देने विशेष पहल- 9वें राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत आंगनवाडी पर्यविक्षकों एवं कार्यकताओं द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर पात्र हितग्राहियो का चिंहाकन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पोर्टल पर हितग्राहियों का पंजीयन एवं वर्तमान

सब्जी विक्रेताओं को हॉकर्स जोन भेजा, अन्य व्यवसायियों को भी दी गई हिदायत

कटनी। गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने नगर निगम प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान तेज कर दिया गया है। पर्व के मद्देनजर बाजार क्षेत्रों में बढ़ने वाली भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए निगम की अतिक्रमण टीम गुरुवार सुबह से ही मुख्य मार्गों पर सक्रिय रही। टीम ने सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले फुटकर फल एवं सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित हॉकर्स जोन में शिफ्ट करने की कार्यवाही की।

प्रभारी अतिक्रमण अधिकारी मानेन्द्र सिंह ने बताया कि निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा आजाद चौक, शेर चौक, झंडा बाजार, गांधी द्वार, सुभाष चौक, स्टेशन रोड, महारानी लक्ष्मीबाई तिराहा, स्टेट बैंक तिराहा, जिला चिकित्सालय मार्ग

एवं कोतवाली तिराहा सहित नगर के प्रमुख मार्गों पर अभियान चलाया गया। इस दौरान मार्गों पर दुकानें लगाकर यातायात बाधित करने वाले फुटकर सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित हॉकर्स जोन में व्यवसाय करने हेतु भेजा गया। अभियान के दौरान अन्य व्यवसायियों को भी निर्धारित सीमा के भीतर रहकर व्यवसाय करने की हिदायत दी गई। निगम अमले ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण कर आवागमन बाधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

व्यवसायियों से अपील की गई कि वे निर्धारित स्थलों पर ही अपनी दुकानें लगाएं और गणेश उत्सव के दौरान नागरिकों की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। निगम प्रशासन का उद्देश्य पर्व के दौरान बाजार क्षेत्रों में भीड़ के बावजूद नागरिकों, श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को आवागमन में असुविधा से बचाना तथा नगर की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना है। इसके लिए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

गुलवारा में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

कटनी। ग्रामीणों को सामाजिक सरोकारों, नागरिक दायित्वों एवं समाज के प्रति जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी द्वारा ग्राम गुलवारा में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, सामाजिक सद्भाव एवं नागरिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। संवाद और अभिनय के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने तथा समाजहित में सकारात्मक भूमिका निभाने का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को आसपास स्वच्छता बनाए रखने, नशे से दूर रहने, महिलाओं एवं बालिकाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

व्यवस्थाओं एवं मैदानी कार्यों की विस्तार से जानकारी लेकर अधिकारियों को दिये निर्देश

कटनी।

आगामी गणेश प्रतिमा विसर्जन एवं वर्षा मेले को लेकर नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय व्यवस्थाओं एवं मैदानी कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने गणेश विसर्जन एवं आगामी वर्षा मेले को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने तथा सफाई एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान महापौर ने विसर्जन स्थलों, चलित एवं कृत्रिम विसर्जन कुंडों सहित आसपास के क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, आवश्यक संसाधनों एवं कर्मचारियों की तैनाती की जानकारी ली। उन्होंने विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त सफाई अमला तैनात रखने तथा आयोजन के दौरान लगातार सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया, ताकि विसर्जन के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महापौर ने आगामी वर्षा मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि मेले के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों की आवाजाही को देखते हुए सफाई, स्वच्छ पेयजल, अस्थायी शौचालय, कचरा संग्रहण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। मेले के प्रमुख क्षेत्रों एवं आसपास के मार्गों पर नियमित सफाई के साथ पर्याप्त डस्टबिन एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए।

पूजा स्पेशल वाहन में निर्माल्य देने की अपील

महापौर श्रीमती सूरी ने नागरिकों से अपील की कि पूजा-पाठ से निकलने वाले निर्माल्य एवं पूजन सामग्री को खुले में या जलस्त्रोतों में न डालें। निगम द्वारा संचालित पूजा स्पेशल वाहन में ही निर्माल्य एवं पूजन सामग्री दें, ताकि इसका व्यवस्थित रूप से संकलन एवं उचित प्रबंधन किया जा सके। संबंधित अधिकारियों को पूजा स्पेशल वाहन के नियमित संचालन एवं निर्धारित क्षेत्रों से पूजन सामग्री के समय पर संकलन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

शहर में कीटनाशी एवं मच्छररोधी दवा के छिड़काव की स्थिति की भी समीक्षा की गई। महापौर ने आवश्यकता वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर नियमित रूप से कीटनाशी छिड़काव कराने तथा मच्छरों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को सक्रिय रखते हुए छिड़काव कार्य की लगातार मॉनिटरिंग करने के लिए कहा।

आवारा मवेशी नियंत्रण के लिए करें प्रभावी कार्यवाही

महापौर ने प्रमुख मार्गों,जुलूस मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आवारा मवेशियों की समस्या के नियंत्रण हेतु संबंधित अमले को प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों की सुविधा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नियमित निगरानी एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा।

समन्वय के साथ व्यवस्थाओं की लगातार हो निगरानी

महापौर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी अमले को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा आगामी आयोजनों को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणेश विसर्जन एवं वर्षा मेले के दौरान नागरिकों को बेहतर स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। बैठक में एमआईसी सदस्य सुभाष साहू, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, क्षेत्रीय स्वच्छता निरीक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेरा तो मेरा है ही' से 'न मेरा, न तेरा' तक पहुंचना ही आकिंचन्य : मुनि समतासागर जी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुण्डलपुर

दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत चल रहे संस्कार शिविर में उत्तम आकिंचन्य धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में 'मेरा' और 'तेरा' का भाव ही बंधन का सबसे बड़ा कारण है, उत्तम आकिंचन्य धर्म इसी ममत्व से ऊपर उठकर उस स्थिति तक पहुंचने की साधना है, जहां साधक अनुभव करता है कि न कुछ मेरा है और न कुछ तेरा। जो वस्तु आज मेरे पास है, वह न मेरे साथ आई है और न मेरे साथ जाएगीɁ उपरोक्त उदगार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कुण्डलपुर तीर्थक्षेत्र पर संस्कार शिविर के नवमें दिवस उत्तम आकिंचन्य धर्म पर व्यक्त किये।

मुनिश्री ने भरत-बाहुबली के प्रसंग से ममत्व की चार अवस्थाओं को समझाते हुए कहा कि पहली भावना होती है—'मेरा तो मेरा है ही, तेरा भी मेरा।' अपनी आवश्यकता पूरी होने के बाद भी दूसरे के अधिकार पर नजर पड़ जाए तो यह भावना जन्म लेती है। दूसरी भावना है—'मेरा मेरा और तेरा तेरा।' इसमें व्यक्ति न दूसरे की वस्तु पर अधिकार चाहता है और न अपनी वस्तु किसी को देना चाहता है। तीसरी भावना है—'तेरा तो तेरा है ही, संतोष नहीं है तो मेरा भी तेरा।' इसमें व्यक्ति अपना भी दूसरे के लिए छोड़ने को तैयार हो जाता है। लेकिन चौथी भावना है—'न यह मेरा है, न यह तेरा है।' यही आकिंचन्य की दिशा है।

मुनिश्री ने कहा कि जब साधक समझ जाता है कि शरीर, संपत्ति, संबंध और संसार की कोई भी वस्तु स्थायी रूप से न उसके पास रहने वाली है और न उसके साथ जाने वाली, तब ममत्व की पकड़ ढीली होने लगती है। जीवन चिड़िया के रैन बसेरे जैसा है—कुछ समय का डेरा और फिर आगे की यात्रा।

भरत-बाहुबली के प्रसंग को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि चक्रवर्ती भरत की दिग्विजय पूर्ण हो चुकी थी, लेकिन उनका चक्ररत्न बाहुबली की सीमा में प्रवेश नहीं कर रहा था। बाहुबली का राज्य अभी उनके अधिकार में नहीं आया था। भरत की सत्ता-विस्तार की भावना ने कहा—'मेरा तो मेरा है ही, बाहुबली तेरा भी मेरा।' बाहुबली ने इसका प्रतिकार करते हुए कहा—'तेरा तेरा है और मेरा मेरा।'

बात युद्ध तक पहुंची। तीनों युद्धों में बाहुबली के सामने भरत को पराजय का सामना करना पड़ा। निर्णायक क्षण में भरत ने आवेश में चक्र चला दिया। इसी क्षण बाहुबली को जीवन की वास्तविकता का बोध हुआ। सत्ता, संपदा और वैभव असार लगने लगे और वैराग्य के भाव जाग उठे। उन्होंने कहा—'भैया भरत, तेरा तो तेरा है ही, संतोष नहीं है तो मेरा भी तेरा संभालो, मैं जाता हूं।' इसके बाद बाहुबली आत्मसाधना की ओर बढ़ गए।

मुनिश्री ने कहा कि ध्यान में खड़े बाहुबली के भीतर भी आत्ममंथन हुआ कि मैं किस 'तेरा-मेरा' में उलझा था? आत्मा का स्वभाव तेरा-मेरा मानना नहीं है। वास्तविकता है—न तेरा है, न मेरा है। सोते समय आंखें बंद होती हैं तो स्वप्न दिखाई देता है और आंख खुलते ही स्वप्न समाप्त हो जाता है। इसी प्रकार यह संसार भी खुली आंखों का स्वप्न है, जो आंखें बंद होते ही पीछे छूट जाने वाला है।

ममत्व की स्थिति को समझाने के लिए उन्होंने एक सेठ और उसके पुराने सेवक का प्रसंग सुनाया। सफाई करते समय सेवक के हाथ से सेठ की वर्षों पुरानी कीमती घड़ी गिरकर टूट गई। सेवक ने अपनी गलती स्वीकार कर क्षमा मांगी। सेठ ने उसे डांटा और बाद में क्षमा कर दिया। सेवक निश्चिंत होकर चला गया कि गलती स्वीकार कर क्षमा मांग ली, बात समाप्त हो गई।

लेकिन सेठ रातभर घड़ी के नुकसान को लेकर परेशान रहा। मुनिश्री ने कहा कि यही अंतर बताता है कि वस्तु का छूट जाना पर्याप्त नहीं है, उसके प्रति मन का मोह छूटना जरूरी है। बाहरी रूप से वस्तु हमारे पास हो या न हो, वास्तविक बंधन उसकी मानसिक पकड़ से बनता है।

उन्होंने कहा कि दशलक्षण की पूरी यात्रा इसी आंतरिक परिवर्तन की यात्रा है। क्षमा से शुरू हुई यात्रा मृदुता, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप और त्याग से गुजरती हुई आकिंचन्य तक पहुंचती है। लेकिन यहां केवल वस्तुओं का त्याग पर्याप्त नहीं है, बल्कि 'मैंने त्याग किया' इस भाव का भी त्याग करना है। जब त्याग के भाव से भी मन मुक्त होगा, तब निर्विकल्पता और निर्द्वंद्वता की स्थिति विकसित होगी।

मुनिश्री ने कहा कि मन की निर्विकल्पता ही वास्तविक सुख और आनंद देती है। अकेले व्यक्ति के भीतर भी विकल्पों का शोर हो सकता है और भीड़ के बीच रहने वाला साधक भी भीतर से शांत रह सकता है। शांति बाहरी परिस्थितियों से नहीं, मन की अवस्था से पैदा होती है। कुंडलपुर का दस दिवसीय संस्कार शिविर इसी साधना के अभ्यास की प्रयोगशाला है।

उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि यहां सीखे सूत्रों को केवल दस दिनों तक सीमित न रखें, बल्कि वर्षभर जीवन में उनका प्रयोग करें। यदि परिणाम अनुकूल न आए तो विधि को दोष देने के बजाय अपनी समझ और प्रयोग की समीक्षा करें। निरंतर अभ्यास से ही साधना जीवन का हिस्सा बनेगी।मुनिश्री ने कहा कि दशलक्षण आराधना के लिए वर्ष में एक बार होने वाले शिविर की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। दशलक्षण पर्व के अवसरों पर गांव-नगरों में छोटे स्तर पर भी संस्कार शिविर और आराधना शुरू की जा सकती है। सौ-पचास लोगों से शुरुआत होगी तो धीरे-धीरे परंपरा विकसित होगी। धर्म के लिए पहल करने वाले व्यक्ति को हमेशा भीड़ का इंतजार नहीं करना चाहिए। साहस से शुरू किया गया सही कार्य आगे चलकर दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है।

शांतिधारा कर श्रावकों ने किया पुण्य संचय

85 साल पुराना है जुझार से आया समवशरण का इतिहास

सन 1833 की चंद्र प्रभु भगवान की प्राचीन प्रतिमा

सन 1863 की भगवान पारसनाथ जी की प्रतिमा

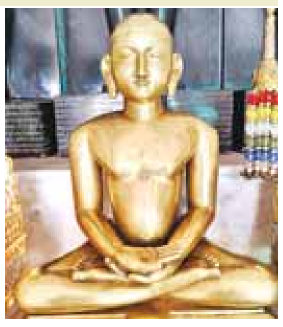

सन 1891 की भगवान संभावनाथ की प्रतिमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बांदकपुर

दशलक्षण पर्व के पावन अवसर पर स्थानीय श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर बांदकपुर में श्रद्धालुओं ने भगवान के मस्तक पर शांतिधारा कर पुण्य संचय किया। आज मूलनायक भगवान की वेदी पर प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य श्रीमती सूरज बाई, श्रीमती लीना-निपुण जैन आगारा वाला परिवार ने प्राप्त किया। द्वितीय वेदी पर अभिषेक का सौभाग्य विवेक सिंघई परिवार ने तथा तृतीय वेदी पर श्रीमती शांति बाई, प्रकाश चंद जैन पिपरिया परिवार ने प्राप्त किया।

100 साल से अधिक प्राचीन है मंदिर, हो रहा है नव-निर्माण

देवनगरी बांदकपुर में जैन मंदिर 100 साल से अधिक प्राचीन है। वर्तमान में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज, नवाचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज एवं मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं निर्देशन में* मंदिर के नव-निर्माण का कार्य चल रहा है। पाषाण से जमीन लेवल का कार्य पूर्ण हो चुका है। 100 साल पुराने इस मंदिर में 150 साल से अधिक प्राचीन पाषाण की अनेक जैन प्रतिमाएं विराजमान हैं।

85 साल पहले जुझार से आया था समवशरण

दरअसल 85 साल पहले पर्यूषण पर्व की चतुर्दशी पर जुझार के चौधरी सिंघई परिवार के प्राचीन जिनालय से 11 प्रतिमाओं का समवशरण धूमधाम से बांदकपुर लाया गया था। तभी से जुझार जैन मंदिर की 18वीं सदी की अधिकांश जैन प्रतिमाएं बांदकपुर जैन मंदिर में सुशोभित हैं। इन अतिशयकारी प्राचीन प्रतिमाओं में संवत 1890 अर्थात सन- 1833 का श्री चंद्रप्रभु भगवान का समवशरण, संवत 1920 अर्थात 1863 का भगवान पार्श्वनाथ का समवशरण तथा संवत 1948 अर्थात 1891 का भगवान संभवनाथ का अष्टधातु का समवशरण यहां विराजमान है। इन प्रतिमाओं की प्रशस्ति में चौधरी प्यारेलाल, दौलतराम, हजारीलाल, रघुवर प्रसाद आदि के नाम अंकित हैं।

इतिहास के पन्नों में दर्ज है रघुवर प्रसाद की कहानी

समाज के बुजुर्ग बताते हैं कि 10 जुलाई 1941 को हिंडोरिया में राजा लक्ष्मण सिंह के तिलक समारोह के दौरान अंग्रेजों के इशारे पर श्री रघुवर प्रसाद को भोजन में जहर मिलाकर खिला दिया गया था। बाद में उन्हें घोड़े की पीठ पर बांधकर जुझार भेज दिया गया, जहां इलाज के नाम पर जहर का इंजेक्शन लगाने से उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने मुनादी करा दी थी कि जो भी इस परिवार की मदद करेगा उसका भी यही हाल होगा। उस समय उनके पुत्र रतनचंद की उम्र महज 5 साल थी, जिसके कारण उनकी पत्नी इंद्राणी बाई जुझार में सब कुछ छोड़कर पुत्र रतन को लेकर अपने मायके चली गईं थीं।

अंग्रेजों के डर से सिंघई परिवार के जैन मंदिर में दर्शन-पूजन बंद हो गया था। इसी दौरान पर्यूषण पर्व में भी मंदिर नहीं खुल पाने पर सिंघई परिवार के कुछ रिश्तेदारों की पहल पर बांदकपुर जैन समाज ने अंग्रेजों की परवाह किए बिना जुझार जैन मंदिर की सभी प्रतिमाएं अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन की धूम के बीच बांदकपुर ले आए थे। तभी से जुझार का प्राचीन समवशरण यहीं सुशोभित है।

बाइक सवार को मवेशी ने मारी टक्कर युवक घायल जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। बुधवार की देर शाम दमोह मार्ग पर स्थित भैंसा बब्बा के पास एक बाइक सवार युवक को आवारा मवेशी ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके बाद घायल हो स्वास्थ्य केंद्र से जबलपुर रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार साहब सींग पिता दुलीचंद यादव उम्र 40 वर्ष निवासी अजीतपुर थाना तेन्दूखेड़ा है जो मार्केट से सब्जी खरीदी करके वापस अपने घर अजीतपुर ग्राम जा रहा था लेकिन नगर के दमोह मार्ग पर स्थित हादसे के शिकार हो गए। इस दौरान घायल को राहगीर जगदीश सेन सौरभ श्रीवास्तव चंद पाटकार ने मानवता दिखाते हुए घायल को स्वास्थ्य केंद्र छोड़ा जहां से डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। राहगीरों ने बताया कि बाइक सवार को मवेशी ने टक्कर मारी है जिससे वो घायल हो गया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा

सोलर पैनल के लिए 25 हितग्राहीयो ने दिए आवेदन

हटा। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उपभोक्ताओं को लाभ दिलाने के लिए चंडी जी मंदिर प्रांगण हटा में सेवा सेतु शिविर लगाया गया। इसमें 25 उपभोक्ताओं का पंजीयन किया गया। उपभोक्ताओं को मौके पर ही सोलर प्लांट लगाने के लिए बैंक से मिलने वाली वित्तीय सुविधा की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत 5.75 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बैंक कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं को ऋण प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री बीपी पटेल ने उपभोक्ताओं को सोलर प्लांट की क्षमता की जानकारी दी एवं प्रति किलोवॉट बिजली उत्पादन की जानकारी दी। घर की बिजली खपत के अनुसार कितने किलोवॉट का प्लांट लगाना उपयुक्त रहेगा, यह भी बताया। इस मौके पर कार्यपालन अभियंता बीपी पटेल, सहायक अभियंता - प्रशांत खरे, कनिष्ठ अभियंता अजीत पटेल सहित विभाग के कर्मचारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

गणेश उत्सव में भक्ति का रंग

नरसिंहगढ़ में जगह-जगह गूंजे भजन और सुंदरकांड

नरसिंहगढ़। गणेश उत्सव को लेकर ग्राम नरसिंहगढ़ में इन दिनों श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है। गांव में करीब 10 से 12 सार्वजनिक स्थानों पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सुबह से लेकर देर रात तक पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। बस स्टैंड क्षेत्र में गणेश उत्सव युवा समिति, बस स्टैंड व्यापारियों एवं ग्रामवासियों के सहयोग से भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। यहां गणेश जी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके बाद सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुंदरकांड और भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। ग्राम के वार्ड क्रमांक 6 में मोहल्ले की महिलाओं द्वारा भक्ति भजनों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं वार्ड क्रमांक 4 में विराजमान गणेश जी के दरबार में बुंदेलखंड की प्रसिद्ध भजन मंडली द्वारा रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। पुष्पेंद्र दुबे एवं पवन रजक की मंडली ने देर रात तक भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्ति में सराबोर कर दिया। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 1, वार्ड क्रमांक 2, स्टाफ कॉलोनी, बरकार कॉलोनी सहित पूरे नरसिंहगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। रातभर भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालु भगवान गणेश की आराधना में जुटे रहे। गुरुवार सुबह विभिन्न गणेश पंडालों में हवन-पूजन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजकों के मुताबिक सभी धार्मिक आयोजन ग्रामवासियों और सार्वजनिक सहयोग से किए जा रहे हैं। समितियों ने भगवान गणेश से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पुलिस टीम भी रही मुस्तैद

गणेश उत्सव के दौरान पुलिस चौकी नरसिंहगढ़ प्रभारी एवं पुलिस टीम लगातार विभिन्न आयोजन स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेती रही। आयोजकों ने शांतिपूर्ण वातावरण में गणेश उत्सव संपन्न कराने में सहयोग के लिए पुलिस एवं ग्रामवासियों का आभार जताया। गणेश उत्सव के आयोजकों का कहना है कि गांव में इसी तरह आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में धार्मिक आयोजन होते रहें और आने वाले वर्षों में भी गणेश उत्सव और भव्य रूप से मनाया जाए।

झलौन में भक्तिभाव से मनाया उत्तम आकिंचन धर्म

दशलक्षण महापर्व के नवम दिवस मंदिर में हुए अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन-विधान

झलौन। श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के नवम दिवस उत्तम आकिंचन धर्म भक्तिभाव और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन-विधान संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान मंदिर परिसर भक्तिभाव से गूंज उठा। दशलक्षण पर्व आत्मशुद्धि और आत्मचिंतन का पर्व माना जाता है। उत्तम आकिंचन धर्म मनुष्य को बाहरी वस्तुओं तथा उनके प्रति 'यह मेरा है' की ममता से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। जैन दर्शन के अनुसार आत्मा के अतिरिक्त किसी भी पर-पदार्थ को अपना मानकर आसक्ति नहीं रखनी चाहिए। धन-संपत्ति एवं भौतिक वस्तुओं के साथ क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे आंतरिक परिग्रहों से विरक्त होना भी आकिंचन्य धर्म की साधना है। इस अवसर पर नीचे की वेदी पर शांतिधारा का सौभाग्य राजकुमार अभिषेक जैन, संतोष सौरभ सिंघई, विजय विनय जैन, समतारानी जैन, संतोष जैन, सुनील जैन एवं कीर्ति जैन को नौवें उपवास के उपलक्ष्य में प्राप्त हुआ। वहीं ऊपर की वेदी पर शांतिधारा का सौभाग्य अकलंक जैन एवं मोहित मुकेश सिंघई को प्राप्त हुआ। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्तम आकिंचन धर्म को आत्मसात करते हुए मोह-ममता और परिग्रह से दूर रहने तथा आत्मस्वरूप की ओर बढ़ने का संकल्प लिया।

जटाशंकर स्वास्थ्य केंद्र में 15 गर्भवती महिलाओं की जांच

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशन एवं शहरी नोडल अधिकारी डॉ. रीता रानी चटर्जी के मार्गदर्शन में गुरुवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जटाशंकर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। सुबह 9 बजे से शाम 10 बजे तक चले शिविर में 15 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 7 महिलाएं हाई रिस्क श्रेणी की पाई गईं। शिविर में गर्भवती महिलाओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक की मेडिकल ऑफिसर डॉ. मिताली हैरिसन, स्टाफ नर्स विशाखा सिंह, ज्योति साहू सहित पैरामेडिकल स्टाफ ने सेवाएं दीं। शिविर के सफल आयोजन में सहायक कार्यक्रम प्रबंधक दीपक सिंह राजपूत का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सफेद मार्बल से निर्मित भव्य जिनालय बना तेंदूखेड़ा की धार्मिक पहचान

दसलक्षण महापर्व में प्रतिदिन हो रहे अभिषेक, शांतिधारा, पूजन-विधान और सांस्कृतिक आयोजन

तेंदूखेड़ा। नगर में स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अपनी भव्य स्थापत्य कला और धार्मिक महत्व के कारण क्षेत्र की विशेष पहचान बना हुआ है। सफेद मार्बल से निर्मित इस विशाल जिनालय को मध्यप्रदेश के प्रमुख जैन मंदिरों में विशेष स्थान प्राप्त है। यहां मूलनायक 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान है। आसपास के क्षेत्र में इस तरह के भव्य मंदिर का होना तेंदूखेड़ा और दमोह जिले के लिए गौरव का विषय माना जाता है। मंदिर निर्माण की आधारशिला वर्ष 2015 में पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के मंगल आशीर्वाद एवं निर्देशन तथा पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में रखी गई थी। वर्ष 2021 में आर्यिका मां अकंप मति माताजी ससंघ के सान्निध्य में जिनालय का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। इसके पश्चात वर्तमान आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज, जो उस समय निर्यापक थे, के ससंघ मंगल सान्निध्य में मंदिर का पंचकल्याणक महोत्सव भव्यता के साथ संपन्न हुआ। जिनालय में मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान के साथ दो अन्य पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमाएं तथा शांतिनाथ और मुनिसुव्रतनाथ भगवान की प्रतिमाएं विराजमान हैं। ऊपरी वेदी पर पंचबाल यति भगवान, चौबीसी तथा पुराने मंदिरों से लाई गई श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं भगवान महावीर की प्राचीन प्रतिमाएं भी विराजमान हैं। मंदिर की भव्यता और धार्मिक वातावरण श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करता है। दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन एवं पूजन के लिए पहुंचते हैं। दसलक्षण महापर्व में धार्मिक आयोजनों की धूम इन दिनों जिनालय में दसलक्षण महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं विभिन्न धार्मिक विधान आयोजित किए जा रहे हैं। दोपहर में तत्त्वार्थ सूत्र का वाचन और धार्मिक प्रतियोगिताएं होती हैं। वहीं रात्रि में 48 दीपकों के साथ श्री भक्तामर स्तोत्र का पाठ तथा भगवान की संगीतमय आरती आयोजित की जा रही है। पाठशाला के बच्चों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की जा रही है। महापर्व के दौरान जिनालय में सुबह से रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को जैन धर्म के सिद्धांतों, संस्कारों और धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। तेंदूखेड़ा का यह जिनालय धार्मिक आस्था के साथ-साथ नगर की सांस्कृतिक और स्थापत्य पहचान को भी समृद्ध कर रहा है। ऐसे भव्य जिनालय का तेंदूखेड़ा में होना क्षेत्रवासियों के लिए गौरव की बात है।

शासकीय भूमि के विक्रय का आरोप, त्रिशूल धाम मंदिर को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

ज्ञापन सौंपकर नामांतरण रोकने और निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पथरिया

जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम लखरौनी स्थित प्रसिद्ध त्रिशूल धाम मंदिर की भूमि को लेकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में आक्रोश है। ग्रामीणों ने संबंधित भूमि के शासकीय होने का दावा करते हुए उसके कथित विक्रय और नामांतरण की प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। गुरुवार को सैकड़ों ग्रामीणों और मंदिर समिति के सदस्यों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जांच पूरी होने तक नामांतरण की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम मौजा लखरौनी स्थित खसरा नंबर 77, रकबा 1.20 हेक्टेयर भूमि पूर्व में राजस्व अभिलेखों में शासकीय भूमि के रूप में दर्ज थी। आरोप है कि उक्त भूमि का नियमों के विपरीत विक्रय किया गया है। ग्रामीणों ने भूमि के विक्रय, संबंधित दस्तावेजों और नामांतरण प्रक्रिया की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। मंदिर समिति के सदस्यों और ग्रामीणों का आरोप है कि भूमि की खरीद-फरोख्त के बाद त्रिशूल धाम मंदिर को हटाने अथवा तोड़ने की धमकियां दी जा रही हैं। इससे क्षेत्र में तनाव और असंतोष की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर से उनकी धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी कार्रवाई से पहले पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। समिति की ओर से बताया गया कि भूमि के क्रेता से संबंधित मूल बैनामा दस्तावेज अभी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। हालांकि स्थानीय पटवारी के माध्यम से ऑनलाइन राजस्व रिकॉर्ड में भूमि के विक्रय की जानकारी सामने आने की बात कही गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मूल राजस्व अभिलेखों की जांच कर भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने त्रिशूल धाम मंदिर की सुरक्षा और भूमि के राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

तहसीलदार ने कहा— दस्तावेजों की जांच कराएंगे

इस संबंध में तहसीलदार दीपा सिंह ने बताया कि खसरा नंबर 77 लखरौनी का है, जिसका विक्रय पत्र निष्पादित किया गया है। ग्रामवासियों का कहना है कि यह पट्टे की जमीन है। मामले की जांच कराई जाएगी और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर जानकारी दी जाएगी।

उत्तम आकिंचन धर्म मनाया

हिंडोरिया। दशलक्षण पर्व पर नित्य सुबह पूजन अभिषेक शांति धारा आरती विधान विधिवत हो रहा है आज की शांति धारा करने का सौभाग्य दीपक जैन ,अभिषेक जैन, टिया जैन को प्राप्त हुआ। शिखर मेडिकल परिवार के द्वारा शांति विधान का आयोजन किया गया जिसमें अर्ध चढ़कर संपूर्ण विधान संपन्न किया गया। शाम 8:00 बजे आरती का सौभाग्य श्रीमती माया, श्रीमती प्रतिमा, श्रीमती आकांक्षा, सेजल जैन एवं समस्त जैन समाज को प्राप्त हुआ। आकिंचन धर्म का सार समझते हुए भैया राजकुमार जैन ने बताया कि पदार्थों को अपना ना मानना और उसे विमुख होकर परिग्रह का त्याग करके निज में स्थित होना ही आकिंचन धर्म है। अकिंचन धर्म ही शांति दायक ममता हरण करने तृष्णा को हरण करने वाला एवं राग द्वेष को हराने वाला और समता को देने वाला धर्म है।

बकाया बिजली बिल पर अब कुर्की की कार्रवाई, मोटरसाइकिल जब्त

बनवार। लंबे समय से बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए बकाया राशि की वसूली के लिए कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को नोहटा के खदान टोला में बिजली विभाग की टीम ने एक बकायेदार उपभोक्ता की बजाज कंपनी की मोटरसाइकिल जब्त कर कुर्की की कार्रवाई की। बिजली सब स्टेशन नोहटा में पदस्थ जेई पूजा के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई के दौरान विभागीय टीम ने बकाया बिजली बिल जमा नहीं करने पर मोटरसाइकिल जब्त की।जेई पूजा मेडम ने बताया कि खदान टोला निवासी एक उपभोक्ता पर करीब 17 हजार रुपए का बिजली बिल बकाया था। विभाग द्वारा कई बार बकाया राशि जमा करने के लिए कहा गया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद गुरुवार को टीम ने उपभोक्ता की मोटरसाइकिल जब्त कर कुर्की की कार्रवाई की। इसी कार्रवाई के दौरान बिजली विभाग की टीम ने अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर चलाए जा रहे तीन हीटर भी जब्त किए। विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के अवैध उपयोग और हीटर के इस्तेमाल के खिलाफ भी जांच अभियान चलाया जा रहा है।बिजली विभाग द्वारा लंबे समय से बकाया बिल रखने वाले उपभोक्ताओं की जानकारी जुटाकर वसूली की कार्रवाई की जा रही है। विभागीय स्तर पर बकायेदारों के बैंक खातों की जानकारी एकत्र करने और नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है।बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिल का नियमित रूप से भुगतान करें। लंबे समय तक बकाया राशि जमा नहीं करने पर नियमानुसार वसूली, कुर्की अथवा अन्य कार्रवाई की जा सकती है। विभाग ने उपभोक्ताओं से समय पर बकाया बिल जमा कर कार्रवाई से बचने की अपील की है।

मेडिकल कॉलेज, सड़क और गीता भवन सहित अन्य मुद्दों पर मुख्यमंत्री जी और मंत्रियों से की मुलाकात

दमोह मेडिकल कॉलेज पीपीपी नहीं, शासकीय स्तर पर संचालित किया जाए - विधायक जयंत मलैया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

दमोह विधायक जयंत मलैया ने गुरुवार को मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि निर्माणाधीन नवीन मेडिकल कॉलेज दमोह और आसपास के क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, रोजगार एवं विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण संस्थान है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज को PPP मॉडल पर संचालित किए जाने के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करते हुए इसे शासकीय स्तर पर संचालित किए जाने की मांग की है।

श्री मलैया ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर इस संबंध में पत्र सौंपा है। पत्र में कहा गया है कि मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए लगभग 355 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है तथा भवन निर्माण सहित अन्य कार्यों पर करोड़ों रुपये व्यय किए जा चुके हैं। मेडिकल कॉलेज के फर्नीचर एवं उपकरणों के लिए लगभग 25.93 करोड़ रुपये तथा अस्पताल भवन में बायोमेडिकल उपकरणों की स्थापना के लिए लगभग 20.15 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज के लिए लगभग 12.14 हेक्टेयर भूमि भी आवंटित की गई है।

विधायक श्री मलैया ने कहा कि इतनी बड़ी राशि से तैयार हो रहा मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन नहीं, बल्कि दमोह जिले और आसपास के क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा शिक्षा, रोजगार तथा क्षेत्रीय विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है। दमोह की बड़ी आबादी कृषि एवं सीमित आय पर निर्भर है। ऐसे में शासकीय मेडिकल कॉलेज के माध्यम से गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। शहर के विकास से जुड़े दो अन्य प्रमुख मुद्दे

मुख्यमंत्री को सौंपे गए पत्र में विधायक श्री मलैया ने दमोह शहर के विकास से जुड़े दो अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठाए हैं। उन्होंने शहर की प्रमुख सड़कों के बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए सुभाष कॉलोनी से जबलपुर नाका चौकी तक तथा सीताबावड़ी से हटा नाका तक के मार्गों के चौड़ीकरण की मांग की है।

इसके साथ ही दमोह में नवीन गीता भवन (ऑडिटोरियम) के निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया गया है, ताकि शहर को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए आधुनिक सुविधा उपलब्ध हो सके।

श्री मलैया ने कहा कि दमोह के समग्र विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क एवं अधोसंरचना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने कृषि एवं सिंचाई क्षेत्र में सतधरू, सीतानगर, पंचमनगर, साझली, जुड़ी सहित विभिन्न सिंचाई एवं स्टॉपडैम परियोजनाओं से किसानों को लाभ पहुंचाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक समृद्धि का सीधा प्रभाव स्थानीय बाजार और जिले की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इसी प्रकार मेडिकल कॉलेज आने वाले समय में दमोह के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और क्षेत्रीय विकास का मजबूत आधार बन सकता है। विधायक श्री मलैया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया कि दमोह मेडिकल कॉलेज के संचालन संबंधी निर्णय पर पुनर्विचार कर इसे शासकीय स्तर पर संचालित करने, प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण तथा नवीन गीता भवन के निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए।

घर का ताला तोड़कर उड़द की बोरियां और मोटर पंप ले गए अज्ञात चोर

हटा। थाना क्षेत्र अंतर्गत मानपुरा गांव में बीती रात अज्ञात चोरों द्वारा गांव के एक घर का ताला तोड़कर रखी फसल की बोरियो को चोरी किए जाने का मामला सामने आया है जहां पीड़ित द्वारा हटा थाना पहुंचकर चोरी की घटना की शिकायत दर्ज कराते हुए कार्यवाही की मांग की गई। जानकारी के अनुसार चंडी जी वार्ड निवासी पप्पू रैकवार पिता पम्मी रैकवार मानपुरा हार में खेती करता है वहीं गांव में उसका निजी मकान बीते दिन पीड़ित अपने खेत से उड़द की फसल की कटाई कर घर लाया था जहां बोरियो में भरी करीब साढ़े तीन क्विंटल उड़द की फसल रखी हुई थी वहीं घर में पहले से एक चना की बोरी एवं दो हार्स पावर का मोटर पंप रखा हुआ था जहां अज्ञात चोर द्वारा घर का ताला तोड़कर फसलों से भरी बोरियां एवं मोटर पंप को चोरी कर ले गए जब इसकी जानकारी सुबह किसान पप्पू को लगी तो उसने गांव जाकर देखा तो घर का ताला टूटा हुआ लटका मिला एवं अंदर फसलों की बोरिया गायब थी जहां पीड़ित द्वारा हटा पुलिस थाना आकर चोरी की घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई गई एवं मामलें पर जल्द कार्यवाही की मांग की। चोरी की घटना में करीब 70 हजार की फसल का आंकलन लगाया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री ने पीजी कॉलेज का औचक निरीक्षण

पी.जी कॉलेज के जर्जर भवनो के मूल्यांकन के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा तथा आयुष विभाग मंत्री एवं दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने गुरुवार को हटा से दमोह पहुंचकर पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह का औचक निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं एवं भवनों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं स्टाफ से शैक्षणिक गतिविधियों तथा उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने महाविद्यालय के जर्जर भवनों एवं कक्षाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने भवनों के मूल्यांकन के संबंध में उच्च शिक्षा विभाग के कमिश्नर से चर्चा की तथा आवश्यक कार्रवाई के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होने कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग से भवनो के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी, पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन, एसडीएम निकेत चौरसिया, तहसीलदार रॉबिन जैन सहित महाविद्यालय से डॉ. इंदिरा जैन, प्रो. कीर्तिकम दुबे, रमेश प्रसाद अहिरवार एवं कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

संकल्प यात्रा का उद्देश्य सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना - प्रभारी मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न जिलों में सेवा, जनसरोकार और सामाजिक सहभागिता से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत विद्यार्थियों, युवाओं और किसानों सहित विभिन्न वर्गों के बीच कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। इसके साथ ही वाराणसी से वडनगर और वडनगर से वाराणसी तक यात्राओं के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों को अभियान से जोड़ने की योजना है, इस आशय के विचार उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री एवं दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने हटा में ₹प्रधानमंत्री जी के सेवा संकल्प अभियान₹ यात्रा के वीडियो कॉन्फ्रेसिंग कार्यक्रम के उपरांत मीडिया से चर्चा के दौरान व्यक्त किए। मंत्री श्री परमार ने कहा मध्य प्रदेश में 55 में से 52 जिलों को अभियान के अंतर्गत कवर किया जा रहा है। इन जिलों में स्थानीय स्तर पर अलग-अलग सेवा गतिविधियां आयोजित होंगी। इनमें वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान तथा अन्य जनसेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं। अभियान का उद्देश्य विभिन्न वर्गों की सहभागिता के माध्यम से सेवा गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित करना और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

प्रदेश के आनंद विभाग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने कहा वडनगर से बनारस और बनारस से वडनगर तक विभिन्न मार्गों से देशभर में 25 यात्राएं संचालित हो रही हैं। उन्होने कहा मध्यप्रदेश इन यात्राओं का महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रदेश के 55 जिलों में से लगभग 52 जिलों से होकर सेवा ही संकल्प यात्रा गुजरेगी। यात्रा का उद्देश्य सेवा कार्यों के माध्यम से आमजन तक सेवा का संदेश पहुंचाना तथा निर्धारित सेवा गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करना है।

उन्होंने कहा सेवा ही संकल्प अभियान के अंतर्गत 25 सेवा कार्यों तथा 14 अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक सेवा का संदेश पहुंचाया जा रहा है। पूरे माह विभिन्न सेवा गतिविधियों के आयोजन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में निरंतर 25 वर्षों की सेवा पूरी होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी तक 500 बाइक के माध्यम से सेवा यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, नागरिक सम्मान और हितग्राहियों से संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हटा विधायक उमा देवी खटीक ने कहा संकल्प अभियान के तहत बड़नगर से बनारस तक की यात्रा एवं अन्य यात्रा सेवा के माध्यम से अभियान का दल हटा विधानसभा क्षेत्र में पहुंचा। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन किया गया। उन्होने कहा अभियान के दौरान हितग्राहियों से सीधे संवाद कर शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उन्हें मिल रहे लाभों की जानकारी ली गई। चंदौली उत्तरप्रदेश के रहने वाले आशुतोष तिवारी ने कहा आज अभियाना का आठवॉ दिन है, अभियना का मुख्य लक्ष्य है लोगो से जुडना, संवाद करना व गॉव की संस्कृति को जानना और पहचानना है, यह यात्रा 7 अक्टूबर को गुजरात के बड़नगर पहुचेगी। इस अभियान में हम 10 नदियो का जल लेकर जा रहे और एक यात्रा बड़नगर से काशी आयेगी।

गतिविधियों के माध्यम से हिंदी, अंग्रेजी और गणित पढ़ाने के तरीके बताए...

पटेरा में शिक्षकों को दिया एफएलएन प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पटेरा

देवभूमि पब्लिक हाई स्कूल पटेरा में शासन के निर्देशानुसार 15 से 24 सितंबर 2026 तक दो चरणों में एफएलएन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पटेरा विकासखंड के शिक्षकों को हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित विषयों को रोचक गतिविधियों के माध्यम से कक्षा में पढ़ाने एवं बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करने के तरीके बताए गए। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस डाइट हटा से प्रभारी प्राचार्य आरपी विश्वकर्मा, व्याख्याता अरुण पटेल, व्याख्याता विजय बहादुर सिंह, व्याख्याता माधव पटेल एवं शिरीष चौरसिया उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों का मार्गदर्शन दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि हरिभूमि ब्यूरो प्रमुख नरेंद्र बजाज एवं सेवानिवृत शिक्षक प्रकाश कुमार गुप्ता रहे । अतिथियोंएवं हटा डाइट टीम ने सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित किये। प्रशिक्षण में शरद त्रिपाठी, श्याम नारायण विश्वकर्मा, भरत पटेल, बृजेंद्र उर्मलिया, अनूप श्रीवास्तव एवं मनोज मिश्रा ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण की संपूर्ण व्यवस्था एवं देखरेख प्रशिक्षण प्रभारी नीलेश बड़कुल द्वारा की गई।

देवभूमि विद्यालय में डाइट टीम का स्वागत

पटेरा। नगर में संचालित देवभूमि निजी विद्यालय में डाइट हटा की टीम के पहुंचने पर विद्यालय के संचालक सुरेंद्र पटेल ने कार्यालय में अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने अतिथियों को विद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों के साथ प्रगति से अवगत कराया।डाइट टीम ने विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं प्रगति की सराहना की और शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

खेत से पैदल रेलवे पुल पार कर घटेरा पहुंची गर्भवती महिला, खुले आसमान के नीचे बेटे को दिया जन्म

एंबुलेंस का इंतजार, सड़क पर हुआ प्रसव

बनवार /दमोह। स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लगातार दावों के बीच घटेरा क्षेत्र से सामने आई एक घटना ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद एक गर्भवती महिला को खेत से करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर रेलवे पुल पार करते हुए घटेरा-बनवार मुख्य सड़क तक पहुंचना पड़ा। एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकी और महिला ने सड़क पर ही खुले आसमान के नीचे एक बेटे को जन्म दे दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत खड़ेरा निवासी कुमकुम बाई पति सुदामा रैकवार (22) अपने परिवार के साथ गांव से करीब ढाई किलोमीटर दूर खेत में रहकर रखवाली का काम करती हैं। गुरुवार को अचानक उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई। उस समय उनके पति सुदामा रैकवार किसी काम से यात्री ट्रेन से दमोह गए हुए थे। प्रसव पीड़ा बढ़ने पर कुमकुम बाई की जेठानी देवकी बाई उन्हें लेकर खेत से पैदल रवाना हुईं। दोनों ने खेतों की मेड़ों से होते हुए घटेरा-ब्यारमा नदी पर बने रेलवे पुल को पैदल पार किया और करीब डेढ़ किलोमीटर का रास्ता तय कर घटेरा-बनवार मुख्य सड़क पर पहुंचीं। परिजनों के अनुसार, सड़क तक पहुंचने के बाद भी एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकी। इसी दौरान महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ गई और उसने सड़क किनारे खुले आसमान के नीचे एक बेटे को जन्म दिया। प्रसव के बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची और जच्चा-बच्चा को उपचार के लिए बांदकपुर ले जाकर भर्ती कराया गया।

पति ने फोन पर बताई पूरी घटना

कुमकुम बाई के पति सुदामा रैकवार ने फोन पर बताया कि वह गुरुवार को किसी काम से यात्री ट्रेन से दमोह आया था। उस समय पत्नी को प्रसव पीड़ा नहीं थी। बाद में अचानक प्रसव पीड़ा शुरू होने पर उसकी जेठानी देवकी बाई उसे लेकर पैदल घटेरा पहुंचीं, जहां सड़क पर ही बच्चे का जन्म हो गया। इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें बांदकपुर ले जाया गया।

घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं तक समय पर स्वास्थ्य और आपातकालीन परिवहन सुविधा पहुंचाने के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खेतों और नदी क्षेत्र से जुड़े गांवों में प्रसव जैसी आपात स्थिति के दौरान समय पर वाहन उपलब्ध नहीं होने से परिजनों को किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, यह घटना उसका उदाहरण सामने लाती है।

26 से पितृपक्ष का शुभारंभ, पितृमोक्ष अमावस्या पर होगा समापन

गो सेवा, ब्राह्मण भोजन, पितृ भागवत और पौधरोपण का पितृपक्ष में विशेष महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हटा

ऋषि-मुनियों द्वारा रचित धार्मिक ग्रंथों के अनुसार प्रत्येक मनुष्य अपने पूर्व जन्म के प्रारब्ध कर्मों के अनुसार इस पृथ्वीलोक मृत्युलोक में जन्म लेता है। जीवन भर भौतिक संसार के सांसारिक बंधनों में बंधे रहने के साथ-साथ, शास्त्रों में मनुष्य पर तीन मुख्य ऋण देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण बताए गए हैं। पंडित बृजेश दुबे के अनुसार, इन तीनों ऋणों से मुक्ति और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर पितृपक्ष श्राद्ध पक्ष इस वर्ष 26 सितंबर से प्रारंभ हो रहा है। यह भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा से शुरू होकर आश्विन मास की कृष्ण पक्ष पितृ मोक्ष अमावस्या 10 अक्टूबर तक रहेगा। इस बार अष्टमी व नवमी तिथि सम्मिलित होने के कारण पितृपक्ष श्राद्ध पक्ष 15 दिवस का रहेगा। हम अपने पूर्वजों की तिथि अनुसार उनका पितृपक्ष में श्राद्ध तर्पण करते हैं और जिन पितरों की हमें तिथि ज्ञात नहीं होती है उनका हम श्राद्ध तर्पण पितृ मोक्ष अमावस्या के दिन करते हैं।

पितृपक्ष का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व-

सनातन संस्कृति में पितृपक्ष केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि सूक्ष्म जगत से जुड़ने और अपने पूर्वजों के प्रति आदर प्रकट करने का एक दिव्य माध्यम है। तर्पण और श्राद्ध कर्म के माध्यम से मनुष्य अपने देव, ऋषि और पितृ ऋणों से मुक्त होकर अक्षय पुण्य की प्राप्ति करता है। गरुण पुराण के अनुसार पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज सूक्ष्म रूप में पृथ्वी लोक पर निवास करते हैं और वंशजों द्वारा अर्पित जल, अन्न और श्राद्ध ग्रहण कर उन्हें सुख, शांति व समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

पंडित बृजेश दुबे ने बताया कि पितृपक्ष की इस अवधि में श्रद्धालु हटा नगर की जीवनदायिनी सुनार नदी के सुर घाट, नावघाट, हजारी घाट सहित अपने घर पर व्यवस्था अनुसार पितरों को जो, तिल, कुशा के माध्यम से जल अर्पित कर तर्पण करते हैं और उनके निमित्त ब्राह्मण भोजन, अन्नदान, वस्त्रदान, गौसेवा और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना चाहिए। पूर्वजों की आत्मा की शांति और सद्गति के लिए श्रीमद्भागवत कथा पितृ भागवत व पितृ सूक्त का पाठ करवाना चाहिए। पितरों की स्मृति में पीपल, बरगद व फलदार पौधों का रोपण करना चाहिए।

अतिवृष्टि से बर्वाद हुई फसलो का मुआवजा दें सरकार- मानक पटेल

दमोह। जिला कांग्रेस कमेटी एवं जिला किसान कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में किसानों की समस्याओं एवं उनकी फसले जो अतिवृष्टि से बर्बाद हो गई उसको लेकर जिला कलेक्ट्रेड के सामने धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम समस्त कांग्रेसजनों के साथ ज्ञापन सौंपा गया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानक पटेल ने कहा कि जिले के सभी ब्लॉको के किसानो की उरदा 90 प्रतिशत मुरदा हो गई वहीं सोयाबीन भी 80 प्रतिशत तक बर्बाद हो गया किंतु भाजपा सरकार ने अब तक सर्वे करवाना भी उचित नहीं समझा। आयोजक जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीवान अमरसींग ने कहा कि किसान विचारे भूखे फिर रये और इनके मंत्री रवा रये खीर किसानों की गुंज अभी हमने धरना देकर की है जल्द मांग नहीं मानी गई तो हम जिले के किसानों के साथ विशाल आंदोलन को मजबूर होगें। पूर्व विधायक अजय टंडन, पूर्व नपाध्यक्ष मनु मिश्रा ने कहा कि सीतानगर परियोजना में दमोह विधानसभा क्षेत्र के 33 ग्रामों को शामिल किया जायें जिससे उनको भी सिंचाई का लाभ मिल सकें। लक्ष्मण सींग, रजनी ठाकुर, सुषमा विक्रम सींग, कमला निषाद, तिलक सींग, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, विजय बहादुर सिंह, डीपी पटेल, बृजेन्द्र सींग, मंजीत यादव, लाखन सिंह, बबलु भट्ट, परम यादव, बसंत कुशवाहा, शमीम कुरैशी, मुकेश रोहितास, दिनेश रैकवार, गोपाल रैकवार, अशोक ठाकुर, आशुतोष शर्मा, उवेद गौरी, वकील कुरैशी, योगेश पटेल, विनोद पटेल, हेमराज, प्रवेन्द्र चन्द्रकार, अजय जाटव, वीर सिंह, योगेश बाजपेई, मदन सुमन ने भी अपने संबोधन में कहा कि पीएम सीएम के लिये तो अब लोग कहने लगे है इनका ऐसा कोई सगा नहीं जिनको उन्होनें ठगा नहीं कोई विभाग नहीं है चाहे रेल हो या बिजली सबका निजीकरण कर दिया अब दमोह के मेडिकल कॉलेज का भी निजीकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर तेन्दुखेड़ा से नीलेश यादव, कृष्णा यादव, मोहन सींग, जबेरा से अखिलेश सोनी पथरिया से रत्नेश सोनी, पिंकी दुबे, पीर अली, अंगद प्यासी, हटा से योगेश सराफ नोहटा से संतोष रजक, नीलश ठाकुर सहित अनेको कांग्रेसजनों की उपस्थिति रहीं।